SAMPLE CONTENT

हिंदी लोकवाणी

IQB Important Question Bank

नई कृतिपत्रिका प्रारूप के अनुसार

चंद्रभूषण शुक्ल
B.M.M.- Journalism

ज्योति नाविक
M.A., B.Ed.

कक्षा
दसवीं
(द्‌वितीय भाषा – संयुक्त)

Target Publications® Pvt. Ltd.

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४
द्वारा निर्धारित नई कृतिपत्रिका प्रारूप (२०१९-२०) पर आधारित

हिंदी लोकवाणी

IQB Important Question Bank

दसवीं कक्षा

विशेषताएँ

- नई कृतिपत्रिका प्रारूप के आधार पर अंक विभाजन सहित
- कम समय में परीक्षा की समुचित तैयारी करने हेतु उपयुक्त
- परीक्षापयोगी महत्त्वपूर्ण कृतियों का समावेश
- सरल भाषा शैली व उचित मार्गदर्शन हेतु उपयुक्त
- अभ्यास हेतु एक नमूना कृतिपत्रिका का समावेश
- स्वयं अध्ययन व मूल्यांकन हेतु उपयुक्त

नमूना कृतिपत्रिका में दिए गए **Q. R. Code** को स्मार्ट फोन द्वारा स्कैन कर उसकी उत्तरपत्रिका प्राप्त की जा सकती है।

Sample content

Printed at: **Quarterfold Printabilities,** Navi Mumbai

© *Target Publications Pvt. Ltd.*
No part of this book may be reproduced or transmitted in any form or by any means, C.D. ROM/Audio Video Cassettes or electronic, mechanical including photocopying; recording or by any information storage and retrieval system without permission in writing from the Publisher.

Balbharati Registration No.: 2018MH0022

TEID: 13871

P.O. No. 205356

प्रस्तावना

प्यारे मित्रो!

शैक्षणिक यात्रा के इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव पर आपकी चिंता व चिंतन दोनों का बढ़ना स्वाभाविक है। विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें सफल बनाने का बीड़ा **टार्गेट पब्लिकेशंस** ने उठाया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु नए पाठ्यक्रम व नई कृतिपत्रिका प्रारूप को आधार बनाकर **टार्गेट पब्लिकेशंस** द्वारा **हिंदी लोकवाणी IQB दसवीं कक्षा** की मार्गदर्शक पुस्तिका का निर्माण किया गया है। दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए इस पुस्तिका में महत्त्वपूर्ण कृतियों का समावेश किया गया है।

इस पुस्तिका को कृतिपत्रिका प्रारूप के आधार पर क्रमशः विभाग १–गद्य, विभाग २–पद्य, विभाग ३–भाषा अध्ययन (व्याकरण) व विभाग ४–उपयोजित लेखन में बाँटा गया है। विद्यार्थियों की सहजता के लिए विभागों को आवश्यकतानुसार कई खंडों में बाँटा गया है। विभाग १–गद्य के अंतर्गत पाठ्यपुस्तक के उन सभी पठित परिच्छेदों का समावेश किया गया है, जो परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण हैं। इन पठित परिच्छेदों पर आधारित कृतियाँ उत्तर सहित दी गई हैं। विभाग २–पद्य में पाठ्यपुस्तक के सभी आवश्यक पद्यांशों को शामिल किया गया है। यहाँ पर भी पठित पद्यांशों पर आधारित कृतियों का उत्तर सहित समावेश किया गया है। विभाग ३–भाषा अध्ययन (व्याकरण) में पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए व्याकरण के सभी घटकों को शामिल किया गया है। व्याकरण संबंधी ज्ञान बढ़ाने के उद्देश्य से यहाँ विभिन्न घटकों की अधिकाधिक कृतियाँ उत्तर सहित दी गई हैं। विभाग ४–उपयोजित लेखन जो कृतिपत्रिका का अंतिम विभाग है, वह लेखन-कौशल की दृष्टि से बहुत ही उपयोगी है। इस विभाग में क्रमशः पत्र-लेखन, कहानी-लेखन, गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति), विज्ञापन-लेखन व निबंध-लेखन का समावेश किया गया है। इन सभी लेखन की शैलियों में विद्यार्थियों को निपुण बनाने के उद्देश्य से इनकी संक्षिप्त जानकारी देने के साथ ही हल सहित पर्याप्त उदाहरण भी दिए गए हैं। परीक्षा की दृष्टि से प्रत्येक विभाग के अंतर्गत आने वाली कृतियों को सरलता से समझने के लिए ध्यान देने योग्य मुद्दों का वर्णन विभाग के शुरुआत में ही विस्तारपूर्वक किया गया है।

इस पुस्तिका के अंतर्गत परिच्छेदों, पद्यांशों आदि पर आधारित कृतियों का निर्माण नई कृतिपत्रिका के अनुसार निर्धारित अंकों को ध्यान में रखकर किया गया है। विद्यार्थियों के अभ्यास व स्वयं मूल्यांकन हेतु इस पुस्तिका में एक नमूना कृतिपत्रिका को भी समाहित किया गया है, जिसकी उत्तरपत्रिका **Q. R. Code** के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है।

Sample Content

हमें पूर्ण विश्वास है कि यह पुस्तिका कम समय में बोर्ड परीक्षा की तैयारी करने व विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर उन्हें सफलता दिलाने का सशक्त माध्यम सिद्ध होगी। पुस्तिका की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए आपके अमूल्य सुझाव आमंत्रित हैं। हमारा ई-मेल पता है: mail@targetpublications.org

उज्ज्वल भविष्य हेतु ढेरों शुभकामनाएँ!

प्रकाशक

संस्करण: द्वितीय

Disclaimer

This reference book is transformative work based on 'Hindi Lokvani; First Edition: 2018' published by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. We the publishers are making this reference book which constitutes as fair use of textual contents which are transformed by adding and elaborating, with a view to simplify the same to enable the students to understand, memorize and reproduce the same in examinations.

This work is purely inspired upon the course work as prescribed by the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, Pune. Every care has been taken in the publication of this reference book by the Authors while creating the contents. The Authors and the Publishers shall not be responsible for any loss or damages caused to any person on account of errors or omissions which might have crept in or disagreement of any third party on the point of view expressed in the reference book.

© reserved with the Publisher for all the contents created by our Authors.

No copyright is claimed in the textual contents which are presented as part of fair dealing with a view to provide best supplementary study material for the benefit of students.

Sample Content

हिंदी लोकवाणी

कृतिपत्रिका का प्रारूप (आराखड़ा)

समयः २ घंटे **कुल अंकः ४० अंक**

विभाग १ – गद्य **१२ अंक**

प्र.१ (अ) पठित गद्यांश (१०० से १२० शब्द) **६ अंक**

प्र.१ (आ) पठित गद्यांश (१०० से १२० शब्द) **६ अंक**

१. आकलन कृति (**२** घटक, प्रत्येक के लिए **१** अंक **अथवा ४** घटक, प्रत्येक के लिए **१/२** अंक) २ अंक

२. शब्दसंपदा (४ घटक, प्रत्येक के लिए **१/२** अंक) २ अंक

(शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म, समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग, वचन, कृदंत, तद्धित, तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)

३. अभिव्यक्ति (**२५** से **३०** शब्दों में) २ अंक

विभाग २ – पद्य **८ अंक**

सूचना – एक मध्ययुगीन और एक आधुनिक रचना का चयन आवश्यक है।

प्र.२ (अ) पठित पद्यांश (६ से ८ पंक्तियाँ) **४ अंक**

प्र.२ (आ) पठित पद्यांश (६ से ८ पंक्तियाँ) **४ अंक**

१. आकलन कृति (**२** घटक, प्रत्येक के लिए **१** अंक **अथवा ४** घटक, प्रत्येक के लिए **१/२** अंक) २ अंक

२. सरल अर्थ (**२५** से **३०** शब्दों में) २ अंक

Sample Content

विभाग ३ — भाषा अध्ययन (व्याकरण) ८ अंक

प्र.३ सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

१. मानक वर्तनी के अनुसार शब्द लेखन (२ घटक, १/२ अंक) १ अंक

२. दो अव्यय शब्दों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक के लिए १ अंक) १ अंक

३. संधि (पहचानना, संधि विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (२ घटक, प्रत्येक के लिए १/२ अंक) १ अंक

४. मुहावरे का चयन अथवा मुहावरे का अर्थ और वाक्य में प्रयोग करना (१ घटक के लिए १ अंक) १ अंक

५. काल के भेद २ अंक

i. काल पहचानना (१ घटक के लिए १ अंक)

ii. काल परिवर्तन दो में से एक वाक्य का (१ घटक के लिए १ अंक)

६. वाक्य के भेद २ अंक

i. रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना (१ घटक के लिए १ अंक)

ii. अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना (१ घटक के लिए १ अंक)

Sample Content

विभाग ४ — रचना विभाग (उपयोजित लेखन) १२ अंक

प्र.४ सूचना के अनुसार लिखिए:

(अ) १. पत्र-लेखन (औपचारिक/अनौपचारिक) (दो में से एक) (विकल्प अंक: ४) ४ अंक

२. कहानी-लेखन (मुद्दों के आधार पर) (६० से ७० शब्दों में) (विकल्प अंक: ८) ४ अंक

अथवा

गद्य-आकलन (अपठित गद्यांश पर आधारित **४** प्रश्न तैयार करना)

(गद्यांश **६०** से **८०** शब्दों का)

अथवा

विज्ञापन-लेखन (**५०** से **६०** शब्दों में)

प्र.४ (आ) निबंध-लेखन (दो में से किसी एक विषय पर **६०** से **७०** शब्दों में) (विकल्प अंक: ४) ४ अंक

लोकवाणी अंक विभाजन			**विकल्प अंक**
विभाग	**घटक**	**अंक**	
१	गद्य	१२	
२	पद्य	८	
३	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	८	०२
४	रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	१२	१६
	कुल अंक	४०	१८

[महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे - ०४]

Sample Content

विषय-सूची

	विभाग १ – गद्य (कुल १२ अंक)	पृष्ठ क्र.
प्र.१. (अ)/(आ)	पठित परिच्छेद	१
विभाग २ – पद्य (कुल ८ अंक)		
प्र.२. (अ)/(आ)	पठित पद्यांश	३५
विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण) (कुल ८ अंक)		
प्र.३	व्याकरण कृतियाँ	५२
विभाग ४ – उपयोजित लेखन (कुल १२ अंक)		
प्र.४. (अ)	पत्र-लेखन, कहानी-लेखन, गद्य-आकलन (प्रश्न निर्मिति) व विज्ञापन-लेखन (८ अंक)	६८
प्र.४. (आ)	निबंध-लेखन (४ अंक)	९४
नमूना कृतिपत्रिका		१०८

निर्देश: १. विद्यार्थियों की सुविधा हेतु पाठों के क्रमांक पाठ्यपुस्तक के आधार पर ही रखे गए हैं।

२. पाठ्यपुस्तक की कृतियों को * द्वारा दर्शाया गया है।

३. विद्यार्थियों की सुविधा के लिए आकृतियों व संजालों में पूछे गए घटकों के लिए क्रमांक (१/२/३/४) दिए गए हैं, लेकिन परीक्षा में क्रमांक नहीं दिए जाएँगे व उत्तर भी उसी प्रकार की आकृतियों व संजालों में लिखना होगा।

४. विद्यार्थियों की सुविधा हेतु गद्य व पद्य के अंतर्गत दिए गए परिच्छेदों व पद्यांशों को क्रमानुसार रखा गया है।

Sample Content

Sample Content

विभाग १

गद्य

पठित परिच्छेद

निर्देश

बोर्ड की कृतिपत्रिका में **प्र.१. (अ)/(आ)** में कुल **दो पठित** परिच्छेद **१२ अंकों** के लिए पूछे जाएँगे। प्रत्येक परिच्छेद **६ अंकों** के लिए होगा।

- पाठ्यपुस्तक से लगभग **१०० से १२०** शब्दों का परिच्छेद दिया जाएगा।
- परिच्छेद पर आधारित कुल तीन कृतियाँ पूछी जाएँगी।

१- आकलन कृति **२ अंक**

इसमें संजाल पूर्ण कीजिए, आकृति पूर्ण कीजिए, कृति कीजिए, प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए, एक शब्द में उत्तर लिखिए, परिणाम लिखिए, कारण लिखिए, सही अथवा गलत लिखिए, गलत वाक्यों को सही करके लिखिए, घटनाओं को उनके उचित क्रम में लिखिए जैसी कृतियाँ पूछी जाएँगी।

२- शब्द संपदा **२ अंक**

इसमें समानार्थी, विलोम, पर्यायवाची, शब्दयुग्म, लिंग, वचन, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, उपसर्ग, प्रत्यय, कृदंत, तद्धित, समोच्चारित मराठी-हिंदी शब्द, भिन्नार्थक शब्द आदि पर आधारित कृतियाँ पूछी जाएँगी।

३- अभिव्यक्ति **२ अंक**

इसमें विद्यार्थी के आकलन व वैचारिक क्षमता पर आधारित एक कृति होगी। विद्यार्थी अपने व्यावहारिक जीवन अर्थात परिवेश, परिवार, समाज, विद्यालय, मित्र आदि के संपर्क में आकर जो ज्ञान प्राप्त करते हैं, उसी के आधार पर उन्हें इस कृति का उत्तर लिखना होगा। अत: प्रश्न को ध्यान से पढ़कर समझें और फिर उसका उत्तर लिखें।

ध्यान दें:

- उत्तर लिखने से पहले प्रत्येक परिच्छेद को कम-से-कम **दो बार** ध्यान से पढ़ें।
- सूचना के अनुसार आकलन कृतियों के उत्तर **आकृतियों** में ही लिखें।
- आकृतियाँ बनाने व उत्तर लिखने के लिए **पेन** का ही उपयोग करें।
- वाक्यों को पूर्ण करना, पंक्तियाँ पूर्ण करना जैसी कृतियों में पूरा वाक्य लिखकर उत्तर को **अधोरेखांकित** करें।
- शुद्ध व स्पष्ट लेखन अपेक्षित है।
- जितना संभव हो गलतियाँ करने से बचें।

Sample Content

पहली इकाई

पाठ २: खोया हुआ आदमी

परिच्छेद १

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ३ पर दी गई पंक्तियाँ ११ से २२ तक
[गाँव के उस आगंतुक .... तैयार हो गया।]

१. संजाल पूर्ण कीजिए: **(२)**

खोया हुआ आदमी भूल चुका था

१ | २ | ३ | ४

२. i. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए: **(१)**

१. शहर २. दूर

ii. निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग जोड़कर नए शब्द बनाइए: **(१)**

१. निश्चय २. जाति

३. यदि आपको कोई भटका हुआ बच्चा मिल जाए, तो आप उसकी मदद कैसे करेंगे, स्पष्ट कीजिए। **(२)**

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. अपना नाम २. अपना पता
३. अपनी जाति ४. अपना धर्म

२. i. १. गाँव २. पास
ii. १. अनिश्चय २. प्रजाति

३. यदि मुझे राह चलते कोई बच्चा मिलता है, जो अपने घर का पता भूल गया है और भटक रहा है, तो मैं जरूर उसकी मदद करूँगा। सबसे पहले मैं उससे पता करने की कोशिश करूँगा कि उसे अपने घर के विषय में क्या याद है। यदि वह कुछ उपयोगी जानकारी दे पाता है, तो मैं उसे घर

Sample Content

पहुँचा दूँगा। इसके विपरीत यदि वह कुछ भी बता पाने में असमर्थ होता है, तो मैं उस बच्चे को पुलिस को सौंप दूँगा। इसके बाद पुलिस अपने खबरियों, समाचारपत्रों, पोस्टरों इत्यादि के माध्यम से उसके परिजनों से संपर्क करने की कोशिश कर सकती है।

परिच्छेद २

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ३-४ पर दी गई पंक्तियाँ २३ से ३४ तक
[खोए हुए आदमी की..दे रहे हों।]

***१. कृति पूर्ण कीजिए:** **(२)**

खोए हुए आदमी के गीत से प्रभावित होने वाले

- १
- २
- ३
- ४

२. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए: **(२)**

बच्चा

- १. समानार्थी
- २. लिंग
- ३. विलोम
- ४. वचन

३. 'प्रतिभा को निखारने के लिए उचित वातावरण की आवश्यकता होती है', इस विषय पर अपना मत लिखिए। **(२)**

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. गाय-भैंसें २. बच्चे ३. बड़े-बुजुर्ग ४. कुत्ते

२. १. बालक २. बच्ची ३. बूढ़ा ४. बच्चे

३. प्रतिभा मनुष्य को ईश्वर द्वारा दिया गया वरदान है। प्रत्येक मनुष्य के भीतर जन्म से ही कोई-न-कोई विशेष प्रतिभा होती है। कई बार यह प्रतिभा उभरकर लोगों के सामने आती है, तो कई बार दबकर रह जाती है। प्रतिभा निखारने में आसपास का वातावरण व अवसर महत्त्वपूर्ण भूमिका

Sample Content

निभाते हैं। यदि उचित अवसर व वातावरण नहीं मिलता, तो प्रतिभा दब कर रह जाती है। अत: हम सभी को अपनी प्रतिभा को पहचानकर उस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इसके अलावा हमें दूसरों की भी प्रतिभा पहचानकर उन्हें उस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। प्रतिभा का संपूर्ण विकास करने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है। यदि हमें सही समय पर अवसर और वातावरण मिले, तो उसका भरपूर लाभ उठाकर प्रतिभा को और निखारा जा सकता है।

परिच्छेद ३

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ४ पर दी गई पंक्तियाँ ४३ से ५३ तक
[धीरे-धीरे गाँववालों...सबका चहेता हो गया।]

१. i. आकृति पूर्ण कीजिए: **(१)**

१ — **खोए हुए आदमी के गुण** — २

***ii. ऐसा प्रश्न तैयार कीजिए जिसका उत्तर निम्नलिखित शब्द हो:** **(१)**
भविष्यवाणी

२. i. निम्नलिखित शब्दों से तद्धित बनाइए: **(१)**
१. भाषा   २. आनंद

ii. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए: **(१)**
१. आसमान   २. वर्षा

३. 'सांप्रदायिक सौहार्द', इस विषय पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। **(२)**

Sample Content

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. i. १. पशु-पक्षियों से बातें करना।
२. आँधी, तूफान, चक्रवात आने, ओले पड़ने या टिड्डियों के हमले के बारे में गाँववालों को पहले ही आगाह करना।
ii. खोया हुआ आदमी किसके जरिए गाँववालों को मुसीबतों के प्रति आगाह कर देता था?

२. i. १. भाषिक   २. आनंदित
ii. १. आकाश   २. बारिश

३. सांप्रदायिक सौहार्द का अर्थ है अलग-अलग संप्रदाय के लोगों का आपस में मिल-जुलकर रहना। भारत देश में कई संप्रदाय हैं। एक धर्म, जाति व संप्रदाय के लोगों में दूसरे धर्म, जाति व संप्रदाय के लोगों के प्रति प्रेम व सहयोग की भावना होनी चाहिए। एक-दूसरे के प्रति यही भावनाएँ एक समृद्ध समाज का निर्माण करती हैं। हमें सभी संप्रदायों व धर्मों का आदर-सम्मान करना चाहिए, क्योंकि कोई भी धर्म व संप्रदाय दूसरों का अहित करने की सीख नहीं देता है। यदि समाज में सांप्रदायिक सौहार्द की भावना बलवान होगी, तो बड़े-से-बड़ा संकट आपसी सूझ-बूझ व बातचीत से हल किया जा सकता है। सही अर्थों में देखा जाए तो हर किसी को हर किसी के सुख-दुख में शामिल होकर उसकी हर संभव सहायता करना ही सांप्रदायिक सौहार्द्र है।

परिच्छेद ४

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ५ पर दी गई पंक्तियाँ ७२ से ८२ तक
[इस गाँव से करीबी..उसके प्रशंसक बन गए।]

१. संजाल पूर्ण कीजिए: **(२)**

खोया हुआ आदमी को इन बदलावों का श्रेय मिला

१   २   ३   ४

२. i. परिच्छेद में आए दो तत्सम शब्द खोजकर लिखिए: **(१)**

१. ________   २. ________

ii. परिच्छेद में से शब्दयुग्म की जोड़ियाँ खोजकर लिखिए: **(१)**

१ ________ - ________   २. ________ - ________

***३. 'मानवता ही सच्चा धर्म है' पर अपने विचार लिखिए।** **(२)**

Sample Content

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. तालाब मछलियों से भर गया। २. पेड़ फलों से लद गए।
   ३. खेतों में फसलें लहलहाने लगीं। ४. मौसम अच्छा बना रहा।

२. i. १. श्रेय २. उपस्थिति
   ii. १. खेती-बाड़ी २. धीरे-धीरे

३. ईश्वर ने सभी मनुष्यों को एक समान बनाया है। सभी को प्रेम और भाईचारे से रहने का संदेश दिया है। इसके बावजूद भी मानव ने जाति-धर्म, रीति-रिवाज आदि के नाम पर खुद को एक-दूसरे से अलग कर लिया है। इससे समाज में भेदभाव पैदा होता है। लोग आपस में लड़ते-झगड़ते हैं। हम सभी मनुष्य हैं और हमारे अंदर प्रेम, भाईचारा व सहयोग की भावना होनी ही चाहिए। यही मानवता का धर्म है। यही धर्म हमें एक-दूसरे के करीब लाता है। हमारे जीवन में सुख व शांति भरता है। अत: विश्व के सभी धर्मों में बड़ा व सच्चा मानवता का धर्म है।

पाठ ३: सफर का साथी और सिरदर्द

परिच्छेद ५

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ८-९ पर दी गई पंक्तियाँ २८ से ३९ तक
[मुझे सुपरफास्ट ट्रेन के ....मैं इसे ले सकता हूँ?"]

१. i. आकृति पूर्ण कीजिए: (१)

१ — **परिच्छेद में आए शरीर के अंग** — २

ii. असत्य विधान को सत्य करके लिखिए: (१)

*१. लेखक को सुपरफास्ट ट्रेन के बजाय एक्सप्रेस से यात्रा करना ज्यादा पसंद नहीं है।

२. एक्सप्रेस एक दोस्त की तरह दूर से स्टेशन देखकर अपनी चाल तेज कर देती है।

२. i. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए: (१)

१. इंसान २. सखा

ii. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए: (१)

१. आदमी २. भाई

३. 'एक्सप्रेस ट्रेन एक मित्र के समान है', परिच्छेद के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (२)

Sample Content

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. i. १. हृदय २. पाँव

ii. १. लेखक को सुपरफास्ट ट्रेन के बजाय एक्सप्रेस से यात्रा करना ज्यादा पसंद है।

२. एक्सप्रेस एक दोस्त की तरह दूर से स्टेशन देखकर अपनी चाल धीमी कर देती है।

२. i. १. आदमी २. मित्र

ii. १. औरत २. बहन

३. प्रस्तुत परिच्छेद में एक्सप्रेस ट्रेन की तुलना एक मित्र से की गई है। जिस तरह तेज चलने वाला व्यक्ति दूर से ही अपने मित्र को देखकर उससे मिलने के लिए उत्सुक होकर अपनी चाल धीमी कर लेता है। उससे बातें करके विदा लेकर फिर आगे बढ़ता है। ठीक, उसी प्रकार एक्सप्रेस ट्रेन भी एक मित्र की तरह दूर से स्टेशन (मित्र) को देखकर अपनी चाल धीमी कर देती है। वह अपने मित्र से मिले बिना आगे नहीं बढ़ती। सारे स्टेशन उसके मित्र के समान हैं, इसलिए वह सभी से अपनी सच्ची मित्रता निभाते हुए सभी को अपने हृदय में स्थान देती है और जब स्टेशन से धीरे-धीरे चलने लगती है, तो उसे देखकर ऐसा लगता है मानो वह अपने मित्र से विदा लेकर आगे बढ़ रही हो।

परिच्छेद ६

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ९ पर दी गई पंक्तियाँ ४० से ५३ तक
[भले ही आपने उसे...उपयोग हो सकते हैं।]

***१. प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए:** **(२)**

सफर में समाचारपत्र की स्थिति
↓
१
↓
२
↓
३
↓
४

Sample Content

*२. **सूचना के अनुसार लिखिए:** (२)

१. परिच्छेद में प्रयुक्त समोच्चारित भिन्नार्थक शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

२. परिच्छेद में प्रयुक्त 'शब्दयुग्म' ढूँढ़कर लिखिए।

*३ **समाचारपत्र की आवश्यकता के बारे में अपने विचार लिखिए।** (२)

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. समाचारपत्र जिसने खरीदा है उसके बजाय दूसरों के हाथों में होता है।

२. समाचारपत्र को बेतरतीबी से मोड़कर किसी अन्य व्यक्ति की ओर बढ़ा दिया जाता है।

३. सभी समाचारपत्र को अपनी निजी संपत्ति की तरह इस्तेमाल करते हैं।

४. समाचारपत्र के पन्ने एक-दूसरे से जुदा होकर पूरे डिब्बे के चक्कर काटने लगते हैं।

२. १. और-ओर; और → तथा, ओर → तरफ

२. अभी-अभी, देखते-देखते

३. आजकल समाचारपत्र जीवन की आवश्यकता बन गया है। समाचारपत्र के माध्यम से हम घर बैठे ही सुबह-सुबह पूरे विश्व की घटनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। समाचारपत्र का हर पन्ना सूचनाओं व खबरों से भरा होता है। इसमें देश-विदेश से जुड़ी शिक्षा, राजनीति, खेल, व्यापार, मनोरंजन आदि से संबंधित पूर्ण जानकारी होती है। यह सूचना का सबसे सस्ता और सरल माध्यम है। इसमें रोजगार, सरकार की नई-नई नीतियों आदि से संबंधित खबरें भी छपी होती हैं। लोग इसे आसानी से खरीद सकते हैं और अपनी-अपनी जरूरत के अनुसार इसका इस्तेमाल भी कर सकते हैं। समाचारपत्रों को पढ़ने से ज्ञान भी बढ़ता है, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं में काफी मदद मिलती है। समाचारपत्रों में खोया-पाया से संबंधित विज्ञापन व जानकारी भी होती है। इसके अलावा विभिन्न जीवनावश्यक व भौतिक सुख-सुविधाओं से संबंधित वस्तुओं के विज्ञापन भी होते हैं, जिससे आवश्यक चीजों के चयन में सहायता मिलती है। अत: समाचारपत्र हर तरह से सभी के लिए आवश्यक एवं उपयोगी होता है।

Sample Content

परिच्छेद ७

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ११ पर दी गई पंक्तियाँ १०२ से ११६ तक
[वे बोले–“आप...................................मैंने कहा–“जी हाँ।”]

१. i. आकृति पूर्ण कीजिए: **(१)**

डिब्बे पर लिखी इबारत — **भारतीय रेल** — डिब्बे पर अलिखित इबारत

डिब्बे पर लिखी इबारत → १

डिब्बे पर अलिखित इबारत → २

***ii. कारण लिखिए:** **(१)**

लेखक को सिरदर्द की गोली लेनी पड़ी।

२. i. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग हटाकर नए शब्द लिखिए: **(१)**

१. आरक्षण २. अलिखित

ii. परिच्छेद में आए दो विदेशी शब्द खोजकर लिखिए: **(१)**

१. ________ २. ________

३. ‘रेलयात्रा पर जाने से पहले आरक्षण करा लेना चाहिए’, इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए। **(२)**

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. i. १. भारतीय रेल जनता की संपत्ति है, इसे सुरक्षित रखिए।
२. भारतीय रेल कंडक्टर की संपत्ति है...।

ii. थककर चूर हो जाने के कारण लेखक को सिरदर्द की गोली लेनी पड़ी।

२. i. १. रक्षण २. लिखित

ii. १. रेल २. कंडक्टर

३. आज हमारे देश में जनसंख्या इतनी बढ़ गई है कि रोज हजारों लोग एक शहर से दूसरे शहर की ओर रेल से यात्रा करते हैं। इस वजह से रेल के डिब्बे भर जाते हैं। ऐसे में यदि सीट का आरक्षण नहीं किया जाए, तो यात्री को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। टिकट होने के बावजूद

Sample Content

बिना आरक्षण किए उसे बैठने के लिए सीट नहीं मिलती। उसे आरक्षित सीट पर बैठे लोगों से बैठने के लिए थोड़ी जगह माँगनी पड़ती है। कभी-कभी तो बहुत गिड़गिड़ाने पर भी बैठने के लिए जगह नहीं मिलती, इसलिए उसे अपनी पूरी यात्रा ट्रेन में यहाँ-वहाँ बैठकर पूरी करनी पड़ती है। वह आराम से बैठ भी नहीं पाता। इस तरह बिना आरक्षण किए व्यक्ति का सफर बहुत कष्टकारी होता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को रेलयात्रा पर जाने से पहले आरक्षण करा लेना चाहिए और सुखद यात्रा का आनंद उठाना चाहिए।

परिच्छेद ८

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक ११ पर दी गई पंक्तियाँ ११७ से १३० तक
[बोले– "आप ऐसी..उन्हें भी सिरदर्द होता है।"]

१. संजाल पूर्ण कीजिए: **(२)**

परिच्छेद में प्रयुक्त खाने वाली चीजें

१ | २ | ३ | ४

२. i. निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: **(१)**

रास्ता अ. ________ ब. ________

ii. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए: **(१)**

१. ताजा २. ठंडा

३. 'कभी-कभी सफर में साथ यात्रा करने वाले सिरदर्द का कारण बन जाते हैं', इस पर अपने विचार लिखिए। **(२)**

Sample Content

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. गोलियाँ २. पूरी ३. कचौड़ी ४. पराँठे

२. i. अ. राह ब. मार्ग

ii. १. बासी २. गरम

३. यात्रा करना सभी को पसंद आता है, खासकर रेल की यात्रा करना। रेलयात्रा के दौरान तेजी से चलने वाली रेल सभी को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ती जाती है। ऐसे में खिड़की के पास बैठकर बाहर की दुनिया देखने में बड़ा आनंद आता है, परंतु कभी-कभी साथ यात्रा करने वाले इतने सवाल-जवाब करते हैं कि उनके सवालों के जवाब देते-देते सिरदर्द होने लगता है। हम अपनी यात्रा का पूरा आनंद नहीं उठा पाते और अपने सिरदर्द से छुटकारा पाने के लिए हमें सिरदर्द की गोली खानी पड़ती है। ऐसी स्थिति में भी साथ यात्रा करने वाले आराम करने देने के बजाय सिरदर्द का भी कारण पूछने लगते हैं, जिससे गोली खाने के बाद भी हमें सिरदर्द से छुटकारा नहीं मिलता। इस तरह कभी-कभी साथ यात्रा करने वाले सिरदर्द का कारण बन जाते हैं।

पाठ ५: अनोखे राष्ट्रपति

परिच्छेद ९

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक १६ पर दी गई पंक्तियाँ ७ से २१ तक
[स्टेशन के एक ओर .... आकर्षित कर लेती थी।]

***१. कृति में जानकारी लिखिए:** (२)

राजेंद्र बाबू के चेहरे का वर्णन

१ | २ | ३ | ४

२. i. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय हटाकर नए शब्द लिखिए: (१)

१. विराजमान २. विशेषता

ii. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए: (१)

१. आँख २. शरीर

३. भारतीय कृषक के बारे में आठ से दस वाक्य लिखिए। (२)

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. चौड़ा मुख व माथा
२. घनी भृकुटियों के नीचे बड़ी आँखें तथा मुख के अनुपात में कुछ भारी नाक
३. कुछ गोलाई लिए चौड़ी ठुड्डी तथा कुछ मोटे पर सुडौल ओंठ
४. श्यामल झाँई देता हुआ गेहुआँ वर्ण तथा बड़ी-बड़ी ग्रामीणों जैसी मूँछें

Sample Content

२. i. १. विराज २. विशेष

ii. १. नयन २. तन

३. भारत को गाँवों का देश कहा जाता है और इन्हीं गाँवों में किसान रहते हैं। किसान अपनी मेहनत से खेतों में फसल उगाते हैं। इससे पूरे देश को अनाज मिलता है। पूरे देश का पेट पालने की जिम्मेदारी इन्हीं किसानों के कंधों पर होती है। इसीलिए इन्हें अन्नदाता भी कहा जाता है। देशभर का पेट भरने वाले किसानों की स्थिति आज बहुत खराब हो गई है। भारतीय किसान गरीब और बेसहारा होते जा रहे हैं। सूखा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण उनकी खेती बुरी तरह प्रभावित होती है। इसके अलावा उन्हें उनकी फसल का भी उचित मूल्य नहीं मिलता। छोटे किसान कर्ज के बोझ तले दबते चले जा रहे हैं। ऐसे में किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। किसान हमारे अन्नदाता हैं। अतः उनकी सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

परिच्छेद १०

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक १६-१७ पर दी गई पंक्तियाँ २२ से ३३ तक
[उनकी वेशभूषा की .... लटका रह गया।]

१. संजाल पूर्ण कीजिए: **(२)**

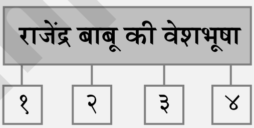

२. i. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए: **(१)**

१. जूते २. टोपी

ii. परिच्छेद में आए हिंदी-मराठी में समोच्चारित शब्दों के भिन्न अर्थ लिखिए: **(१)**

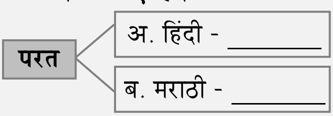

३. वेशभूषा के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। **(२)**

Sample Content

उत्तर:

प्र.१. (अ)/(आ)

१. १. खादी की मोटी धोती   २. बंद गले का काला कोट
३. पैरों में मोजे-जूते   ४. सिर पर गांधी टोपी

२. i. १. जूता   २. टोपियाँ
ii. अ. स्तर   ब. दोबारा

३. व्यक्ति की वेशभूषा उसके जीवन में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखती है। कभी-कभी हमारी वेशभूषा ही हमारी पहचान बताती है। एक विद्यार्थी की पोशाक से यह पता चलता है कि वह किस स्कूल का विद्यार्थी है। उसी प्रकार शिक्षक, कर्मचारी, नेता आदि की वेशभूषा से ही उनकी पहचान होती है। कभी-कभी मनुष्य समाज में अपनी जगह बनाने के लिए ज्यादा महँगे कपड़े खरीदकर दिखावा करने लगता है। बढ़ते फैशन के कारण ही लोगों में महँगे कपड़े पहनने की इच्छा जागृत होने लगी है। अतः व्यक्ति को दिखावे के लिए महँगे कपड़े खरीदने में पैसे व्यर्थ नहीं करने चाहिए तथा अपनी परंपरा व जरूरत के अनुरूप ही अपनी वेशभूषा रखनी चाहिए।

परिच्छेद ११

प्र.१. (अ)/(आ) निम्नलिखित पठित परिच्छेद पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक १७ पर दी गई पंक्तियाँ ५६ से ६६ तक
[राजेंद्र बाबू के निकट .... की सूत्रधारिणी थीं।]

***१. संजाल पूर्ण कीजिए:** **(२)**

राजेंद्र बाबू की पत्नी के गुण

१ | २ | ३ | ४

२. i. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए: **(१)**

१. बालिका   २. पुत्री

ii. निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय अलग करके मूल शब्द लिखिए: **(१)**

१. पढ़ाई   *२. ममतालु

३. 'वे सच्चे अर्थों में धरती की पुत्री थीं', परिच्छेद के आधार पर अपने विचार लिखिए। **(२)**

Sample Content

AVAILABLE BOOKS:

- Pre-Primary
- MH State Board
  - Std. I - X ▸ Eng. & Mar. Med.
  - Std. XI - XII ▸ Sci. & Com. (Eng. Med.)
- CBSE
  - Class X ▸ Eng. Med.
- Entrance Exams
  - Medical ▸ NEET, Online & Offline Test Series
  - Engineering ▸ MHT - CET, JEE (Main), Online & Offline Test Series
- General
  - Basics of Calculus Simplified
  - Career Margdarshak

A collection of Model Question Papers & Solutions of Std. X (Semi Eng. Med.) based on NEW PAPER PATTERN

Visit Our Website

Target Publications® Pvt. Ltd.
Transforming lives through learning.

Address:
2nd floor, Aroto Industrial Premises CHS,
Above Surya Eye Hospital, 63-A, P. K. Road,
Mulund (W), Mumbai 400 080
Tel: 88799 39712 / 13 / 14 / 15
Website: www.targetpublications.org
Email: mail@targetpublications.org

Subscribe to our channel

Like our page